INDIAN SCHOOL SOHAR
PRE-BOARD EXAM (2017-18)

No. of printed pages-4

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम - ब)

दिनांक : 01-02-2018 पूर्णांक : 80

कक्षा : X समय : 3 घण्टे

निर्देश : 1 इस प्रश्न-पत्र में कुल **चार खंड** हैं- **क, ख, ग** और **घ**।
2 चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3 यथा संभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रम से लिखिए।
4 उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न संख्या अवश्य लिखी जाए।

(खण्ड- क) (अपठित बोध)

प्रश्न 1- निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

पढ़ाई में या काम के दौरान कई अवसर ऐसे आते हैं, जब आप उपेक्षित और खिन्न महसूस करते हैं। न चाहते हुए भी दिन का आरंभ अनचाही समस्याओं से होता है। ऐसे समय में खुद पर आपका भरोसा कम हो जाता है। संभवत: उस समय आप ईश्वर की शरण में जाकर सवाल करने लगते हैं कि ऐसा हमेशा मेरे साथ ही क्यों होता है? मैं क्या करूँ ? आप प्रार्थना करते हैं। धार्मिक स्थलों पर जाते हैं लेकिन इतना सब करने के दौरान इस बात का विश्लेषण नहीं करते कि आखिर इस तरह की परिस्थितियों से निकलने के लिए क्या प्रयास किए जाएँ और यह संकट आया क्यों? दरअसल, हम अपनी समस्याओं की चर्चा बहुत बढ़ा-चढ़ा कर करते हैं। समस्याएँ आने पर हम दूसरों की सहानुभूति चाहते हैं। लेकिन सहानुभूति या दया से कोई समस्या हल नहीं होती। हम मुश्किलों का रोना तो रोते हैं, लेकिन कभी समाधान के बारे में नहीं सोचते। मुसीबत आने पर दिन-रात मुसीबत के बारे में ही सोचते रहते हैं। इस तरह समस्या पूरी तरह हमारे दिलो-दिमाग पर छा जाती है और हमारी दिनचर्या को प्रभावित करने लगती है। इससे पूरा परिवार तनाव में आ जाता है और ऐसा हो भी क्यों न? चूँकि वे भावनात्मक रूप से आपसे जुड़े होते हैं, इसलिए वे हमेशा आपको ही सही मानते हैं। वे आपकी गलती नहीं मानते बल्कि यह मानते हैं कि किसी और की ही गलती रही होगी, क्योंकि उनकी नज़र में आप तो सदा सही ही होते हैं। इस पूरी प्रक्रिया में आप स्वयं के द्वारा किए गए कार्यों का मूल्यांकन करना भूल जाते हैं। यदि ऐसा करें, तो हो सकता है कि ऐसी स्थिति से बाहर निकलने में मदद मिल जाए। यह भी हो सकता कि गलती आपकी ही हो। परिस्थितियों का ठीक-ठीक मूल्यांकन करके आप आसानी से समाधान तक पहुँच सकते हैं। किसी भी समस्या का हल उसकी जड़ में होता है। यदि आप समस्या की जड़ तक पहुँच सकते हैं तो समाधान असंभव नहीं होगा। यह बात बिलकुल सच है कि सफलता की सड़क पर चलने के दौरान आप केवल एक पत्थर का टुकड़ा उठाकर उसे दूर ही नहीं फेंकते हैं, बल्कि एक तरह से पहाड़ तोड़ने का काम करते हैं, भले ही रुकावट कितनी ही ऊँची क्यों न हो? आप उसे दूर करने का प्रयास करते हैं। केवल इसी तरह से सफलता का अपना मार्ग बनाया जा सकता है। बहुत ही कम ऐसा होता है कि आपको बनी-बनाई और समतल सड़क मिल जाए, जिस पर आप बिना रुकावट के चल सकें। पहाड़ केवल उसी को रास्ता देता है, जो या तो उसे पार करने की कला जानता है या फिर उसमें इसे तोड़ने का साहस है। इसलिए जीवन में जब कभी आप खराब दौर से गुज़र रहे हों, कभी भी हार न मानें। सफलता के पहाड़ पर चढ़ते समय बीते समय की निराशा और डर को मन से निकाल दें।

प्रश्न (i) हम ईश्वर की शरण में कब जाते हैं और उससे क्या प्रार्थना करते हैं? **2**

प्रश्न (ii) हम किसी भी समस्या में पूरी तरह कब उलझ जाते हैं और घरवाले हमें ही सही क्यों मानते हैं ? **2**

प्रश्न (iii) हम किस उपाय द्वारा अपनी समस्याएँ सुलझा सकते हैं? **2**

प्रश्न (iv) सफलता का अपना मार्ग कैसे बनाया जा सकता है? **2**

प्रश्न (v) मुसीबत आने पर हम क्या चाहते हैं? **1**

प्रश्न 2- निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

ग्रीष्म की तपती धरा पर, छाँह बन तू आ गई है।
तृषित धरती के लिए तू, प्राण बन कर छा गई।
ममतामयी तू है सदा, जीवन का कल्याण करती।
मातृवत् निज स्नेह से ही, विश्व का परित्राण करती।।
हे देवी वर्षा! धन्य हो, तुम-सा नहीं कोई यहाँ।
संताप सकल विमुक्ति का है और साधन क्या? कहाँ?
जीर्ण वस्त्रावृता धरा, नववस्त्र में शोभित हुई।
तृण-श्याम साड़ी पहन अपने आप पर मोहित हुई।।
जीवन-रहित सरिता में भी, अब सहज प्राण-प्रवाह है।
तृप्ति का आह्लाद सब में, कहीं ना कोई कराह है।।

प्रखर रवि भयभीत है अब, ताप का देखो पलायन।
हर्षमय घर- द्वार बाहर, लख जलद का आगमन।
हे प्रणम्य! आशीष दो, नहीं विश्व के आँसू बहें।
हर घर रहे संतुष्टि में, जन-जन के छूटे कहकहे।।
धन-धान्य से पूरित धरा पर, राज्य हो सुख शांति का।
सब लोग हिलमिल कर रहें, भ्रम भी मिटे हर भ्रांति का।।

प्रश्न (क) काव्यांश में किस ऋतु का वर्णन है और उसकी क्या विशेषता बताई गई है? **2**

प्रश्न (ख) ग्रीष्म ऋतु में पृथ्वी क्या पहने हुई है और वर्षा से उसके वस्त्र कैसे हो गए हैं? **2**

प्रश्न (ग) धरती पर कैसे शासन की कामना की गई है? **2**

(खण्ड- ख) (व्यावहारिक व्याकरण)

प्रश्न 3 - (क) रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए : **1**

वाक्य से पृथक करने पर पद बन जाता है।

(ख) रेखांकित पदों के भेद लिखिए। **1**

उपवन का <u>सौंदर्य</u> <u>कौन</u> देखने गया ?

प्रश्न 4 - (क) निम्न समासों का विग्रह करके भेद लिखिए : **2**

देवासुर, भयातुर

(ख) समस्तपद बनाकर भेद लिखिए : **2**

मुर का अरि है जो अर्थात्(कृष्ण) , चार राहों का समाहार

प्रश्न 5 - (क) निम्नलिखित वाक्य में से आश्रित उपवाक्य को छाँटकर भेद लिखिए। **1**

राघव ने मुझसे कहा कि समय सदैव गतिशील रहता है ।

(ख) निर्देशानुसार वाक्य परिवर्तन कीजिए : **2**

(i) मैं चाहता हूँ कि मैं ही सबसे पहले जाऊँ। **(सरल वाक्य में)**

(ii) गाड़ी समय पर पकड़ने के लिए तेज़ दौड़ो। **(मिश्र वाक्य में)**

प्रश्न 6 - निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए। **4**

(क) सीमा ने शाम को खाना नहीं खाती है।

(ख) मेरा नाम श्रीमान रामेश्वर कुमार है।

(ग) राजा को देखते ही शत्रु डरकर दौड़ गया ।

(घ) यह कार्य आपकी कृपाओं से पूरे हुए हैं।

प्रश्न 7 - (क) उपयुक्त मुहावरे का प्रयोग करके खाली स्थान भरिए: **1**

यह कविता भावपूर्ण है, ऐसा लगता है मानो कवि ने दिया हो।

(ख) दिए गए मुहावरे का वाक्य में प्रयोग कीजिए : दाँतों तले उँगली दबाना । **1**

(खण्ड- ग) (पाठ्य -पुस्तक)

प्रश्न 8 - पठित पाठों के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) आदर्शवादी लोगों ने हमेशा कौन-सा काम किया है? **1**

(ख) तीसरी कसम फिल्म को प्रदर्शित करने के लिए वितरक क्यों नहीं मिले? **2**

(ग) 26 जनवरी 1931 के दिन श्रद्धानंद पार्क में क्या घटना घटित हुई? **2**

प्रश्न 9 - 'अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले' पाठ की सार्थकता को बनाए रखने के लिए लेखक ने कौन-कौन से तर्क प्रस्तुत किए हैं? **5**

अथवा

पशु-पर्व कौन-से गाँव में मनाया गया था और उस पर्व की क्या-क्या विशेषताएँ थीं ? ततॉंरा-वामीरो पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 10 -पठित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) मनुष्यता कविता में महाविभूति और सबसे बड़ा विवेक किसे माना गया है? **1**

(ख) गीत में ऐसी क्या खास बात होती है कि वे जीवन भर याद रह जाते हैं? **2**

(ग) तपोवन शब्द का प्रयोग कवि बिहारी ने किस संदर्भ में किया है और इसका क्या प्रभाव हुआ? **2**

प्रश्न 11- दूसरे पद में मीराबाई श्याम की चाकरी क्यों करना चाहती हैं और उन्हें कौन-सी तीन बातें अच्छी लगती हैं? स्पष्ट कीजिए। **5**

अथवा

मधुर-मधुर मेरे दीपक जल कविता में कवयित्री ने अपने प्रियतम को प्राप्त करने के लिए कौन-सा दीपक जलाया है और वह उस दीपक को विहँस-विहँस जलने के लिए क्यों कह रही हैं?

प्रश्न 12 - समाज में शिक्षा से अनजान लोगों के कारण भावी पीढ़ियाँ अनपढ़ रह जाती थीं जिससे समाज प्रभावित होता था। सपनों के-से दिन पाठ के आधार पर अपने विचार लिखिए। **5**

अथवा

यदि व्यक्ति संपन्न है और उसके परिवार में ही फूट है तो उसके प्रति समाज में स्थित अन्य लोगों का व्यवहार कैसा होगा? हरिहर काका पाठ के आधार पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।

(खण्ड- घ) (लेखन)

प्रश्न 13 - दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर **किसी एक** विषय पर लगभग **80** से **100** शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए। **5**

(क) जीवन में सत्संगति का महत्व

(i) सत्संगति का अर्थ

(ii) सत्संगति का महत्व

(iii) सत्संगति की आवश्यकता

(ख) छात्र और अनुशासन

(i) अनुशासन का अर्थ और महत्व

(ii) अनुशासन की प्रथम पाठशाला-परिवार

(iii) सामाजिक जीवन के लिए अनुशासन की आवश्यकता

(ग) वन-संपदा

(i) वनों की स्थिति व कम होने का कारण

(ii) वनों से लाभ

(iii) कटते हुए वन और उसका परिणाम

प्रश्न 14- अपने क्षेत्र के पोस्टमास्टर को पत्र लिखिए जिसमें मनीऑर्डर प्राप्त न होने की शिकायत की गई हो। **5**

अथवा

स्थानांतरण प्रमाणपत्र प्राप्त करने हेतु विद्यालय के प्रधानाचार्य को एक पत्र लिखिए।

प्रश्न 15- विद्यालय के प्रधानाचार्य द्वारा विद्यालय की मासिक पत्रिका के लिए छात्रों द्वारा रचित रचनाएँ प्राप्त करने हेतु **25** से **30** शब्दों में एक सूचना जारी कीजिए। **5**

अथवा

विद्युत प्रदाय संस्थान के प्रबंधक द्वारा **25** से **30** शब्दों में सूचना जारी कीजिए जिसमें नागरिकों को यह जानकारी दी गई हो कि कल प्रात: **8** बजे से दोपहर **2** बजे तक बिजली की आपूर्ति नहीं की जाएगी ।

प्रश्न 16- फिल्में युवा पीढ़ी में हिंसात्मक प्रवृत्ति को बढ़ावा दे रही हैं इस विषय पर शशांक और सत्यार्थ के बीच हुई बातचीत को लगभग **50** शब्दों में संवाद के रूप में लिखिए। **5**

अथवा

वृद्धाश्रम में दो वृद्धों के बीच हुए वार्तालाप को लगभग **50** शब्दों में संवाद के रूप में लिखिए।

प्रश्न 17- प्रगति मैदान दिल्ली में एक सर्कस लगा है। इसके प्रचार हेतु **25** से **50** शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए। **5**

अथवा

इसी माह प्रसाधन-सामग्री की एक दुकान का उद्घाटन हुआ है। उसके प्रचार हेतु **25** से **50** शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए।